



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 113]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जनवरी 16, 2009/पौष 26, 1930

No. 113]

NEW DELHI, FRIDAY, JANUARY 16, 2009/PAUSA 26, 1930

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
(वाणिज्य विभाग)
(विदेश व्यापार महानिदेशालय)
अधिसूचना

नई दिल्ली, 16 जनवरी, 2009

सं. 80 (आर ई-2008)/2004—2009

का.आ. 192(अ).—विदेश व्यापार नीति, 2004—2009 के पैरा 1.3 और 2.1 के साथ पठित विदेश व्यापार (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1992 (1992 की संख्या 22) की धारा 3(2) के साथ पठित धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्र सरकार, एतद्वारा समय-समय पर यथासंशोधित अधिसूचना संख्या 93 (आर ई-2007)/2004—2009 दिनांक 1-4-2008, में पैरा 2.1.7 को प्रतिस्थापित करते हुए निम्नलिखित संशोधन करती है, जिसे अधिसूचना संख्या 53 (आर ई-2008)/2004—2009 दिनांक 4-11-2008 के साथ पठित अधिसूचना संख्या 48 (आर ई-2008)/2004—2009 दिनांक 13-10-2008, के द्वारा जोड़ा गया था :—

2. मौजूदा पैरा 2.1.7 निम्नलिखित अनुसार प्रतिस्थापित किया जाता है :—

“2.1.7 निम्नलिखित देशों को चावल का निर्यात करने पर गैर-बासमती चावल के निर्यात पर लगाया गया प्रतिबंध लागू नहीं होगा :—

देश का नाम	मात्रा
(i) नाइजीरिया	15,000 मीट्रिक टन
(ii) सेनेगल	15,000 मीट्रिक टन

(iii) घाना 15,000 मीट्रिक टन

(iv) कैमरून 10,000 मीट्रिक टन

उपरोक्त निर्यात निम्नलिखित शर्तों के मद्दे होगा :—

- उपरोक्त मात्रा 30 अप्रैल, 2009 तक भारतीय राज्य व्यापार निगम (एसटीसी) के माध्यम से निर्यात की जाएगी ;
- एसटीसी ऐसी चावल मिलों से चावल प्राप्त करेगा जिनके स्टॉक में अतिरिक्त चावल/धान है;
- निर्यात किये जाने वाले चावल में कम से कम 25% टूटा चावल होना चाहिए ;
- एसटीसी यह सुनिश्चित करेगा कि इस निर्यात के लिए उनकी बाजार में प्रविष्टि चावल की समग्र मूल्य स्थिति को प्रभावित न करे; और
- एसटीसी निर्यात किए जाने वाले चावल को एक से अधिक राज्य से और चार अलग-अलग ट्रांजिज में प्राप्त करेगा ।”

3. अधिसूचना संख्या 93 (आर ई-2007)/2004—2009 दिनांक 1 अप्रैल, 2008 के अन्य सभी प्रावधान अपरिवर्तित रहेंगे, और लागू होते रहेंगे ।

4. इसे लोकहित में जारी किया जाता है ।

[फा. सं. 01/91/180/846/एएम 08/निर्यात प्रकोष्ठ]

आर. एस. गुजराल, महानिदेशक, विदेश व्यापार एवं
पदेन अपर सचिव

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF FOREIGN TRADE)

NOTIFICATION

New Delhi, the 16th January, 2009

No. 80 (RE-2008)/2004—2009

S.O. 192(E).—In exercise of the powers conferred by Section 5 read with Section 3(2) of the Foreign Trade (Development & Regulation) Act, 1992 (No. 22 of 1992) and also read with Para 1.3 and Para 2.1 of the Foreign Trade Policy, 2004—2009, the Central Government hereby makes following amendments to Notification No. 93 (RE-2007)/2004—2009, dated 1st April, 2008 as amended from time to time by substituting Para 2.1.7 added *vide* Notification No. 48 (RE-2008)/2004—2009, dated 13th October, 2008, read with Notification No. 53 (RE-2008)/2004—2009, dated 4th November, 2008, as under :—

2. Existing para 2.1.7 shall stand substituted as follows :

“2.1.7 Ban on export of non-basmati rice shall not be applicable to export of rice to the following countries :—

Name of the country	Quantity
(i) Nigeria	15,000 MTs
(ii) Senegal	15,000 MTs

(iii) Ghana 15,000 MTs

(iv) Cameron 10,000 MTs

The above export shall be subject to the following conditions :—

- (i) The above quantity shall be exported through State Trading Corporation (STC) of India till 30th April, 2009;
- (ii) STC shall procure rice from such rice mills who have surplus rice/paddy in their stock;
- (iii) The rice to be exported shall be with a minimum of 25% of broken;
- (iv) STC shall ensure that their entry into market for this export does not affect the overall price situation of rice; and
- (v) STC shall source the rice to be exported from more than one State and in four different trenches.”

3. All other provisions of the Notification No. 93 (RE-2007)/2004—2009, updated 1st April, 2008 shall remain unchanged, and shall continue to apply.

4. This issues in public interest.

[F. No. 01/91/180/846/AM 08/Export Cell]

R. S. GUJRAL, Director General of Foreign Trade
& ex-officio Addl. Secy.